क्षेत्रीय फिल्मों को दूरदर्शन पर दिखाया जाना

*393. **श्री सुशील कुमार संभाजीराव शिन्दे :**

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1992 के दौरान दिखाई गयी क्षेत्रीय फिल्मों का भाषा-वार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इन फिल्मों के उप-शीर्षक किस भाषा में थे;

(ग) क्या भविष्य में ऐसी फिल्मों को सभी भाषाओं के उप-शीर्षकों के साथ दिखाए जाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के पी सिंह देव) :

(क) 1992 के दौरान राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट की गई क्षेत्रीय फिल्मों का भाषावार ब्यौरा संलग्न है (नीचे देखिये) :

(ख) दूरदर्शन द्वारा इसके राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट क्षेत्रीय फीचर फिल्मों में सामान्यतः अंग्रेजी उप-शीर्षक दिए जाते हैं और ऐसे उप-शीर्षकों के अभाव में फिल्म का टेलीकास्ट शुरू होने के समय उसकी कहानी का सार बता दिया जाता है ।

(ग) से (ङ) : फिल्म के उप-शीर्षक निर्माता अधिकार धारक के द्वारा तैयार किए जाते हैं और इसलिए सरकार के पास सभी भाषाओं में किसी फिल्म के उप-शीर्षक तैयार करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

विवरण

वर्ष 1992 के दौरान राष्ट्रीय नेटवर्क पर टेलीकास्ट की गई फीचर फिल्मों का भाषावार ब्यौरा :

क्र० सं०	भाषा	टेलीकास्ट की गई फ़ीचर फिल्मों की संख्या
1.	असमिया	5
2.	बंगला	25 (सत्यजीत राय और कानन देवी की फिल्मों के सिहांवलोकन सहित)
3.	गुजराती	4
4.	कन्नड़	5
5.	मलयालम	7
6.	मराठी	5
7.	मणिपुरी	4
8.	उड़िया	6
9.	पंजाबी	5
10.	तमिल	7
11.	तेलूगू	7

Power Projects of Uttar Pradesh Functioning with Foreign Assistance

*394. CHAUDHARY HARMOHAN SINGH : Will the Minister of POWER be pleased to state :

(a) what are the names of power *projects* of Uttar Pradesh which are functioning with foreign assistance;

(b) what are the details of the projects which require additional assistance;

(c) what is the number of projects which have been accorded sanction alongwith those for which efforts are being made in this regard; and

(d) what are the reasons for seeking additional assistance ?

THE MINISTER OF POWER (SHRI N. K. P. SALVE) : (a) to (d) The power generation projects under implementation in Uttar Pradesh, currently utilising foreign assistance, are the Anpara 'B' TPS (2x500 MW), of UPSEB, NCTPP at Dadri (4x210 MW) and Dadri CCGT (817 MW) both of NTPC. Additional foreign assistance has been sought from OECF (Japan) for the Anpara 'B' TPS for its completion, In